बुधवार
27 अगस्त 2025
● देहरादून
● वर्ष 33
● अंक 202
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

सरकार आपदा प्रभावितों के साथः धामी

विशेष संवाददाता

उत्तरकाशी। आपदा राहत कार्यों में हीला हवाली के आरोपों के बीच आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उत्तरकाशी दौरे पर है। अपने इस दौरे के दौरान उन्होंने स्यानाचट्टी के आपदा प्रभावितों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझा और उन्हें इस बात का भरोसा दिलाया कि आपदा प्रभावित लोगों के साथ उनकी सरकार खड़ी है। सभी प्रभावितों की हर तरह से मदद की जाएगी।

❑घर-घर जाकर सुनी समस्याएं, ढांढस बंधाया, नदियों के किनारे अवैध निर्माण रोकना जरूरी

मुख्यमंत्री ने स्यानाचट्टी के आपदा प्रभावित क्षेत्र में घर-घर जाकर लोगों का हाल जाना तथा उन्हें इस बात का भरोसा दिलाया कि इस दुख की घड़ी में सरकार उन्हें हर तरह से मदद करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में हो रही लगातार बारिश तथा भूस्खलन की घटनाओं के कारण राज्य की सड़कों को भारी नुकसान हुआ है, जिसके कारण आपदा प्रभावितों तक समय से मदद और सहायता पहुंच पाने में देरी हुई है। लेकिन घबराने की कोई जरूरत नहीं है हम हर एक व्यक्ति तक मदद पहुंचाने का प्रयास निरंतर कर रहे हैं तथा यह प्रयास आगे भी जारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि इस साल मानसूनी आपदा में भारी नुकसान हुआ है। धराली, थराली और हर्षिल में भारी जनधन हानि हुई है जिसका आकलन किया जा रहा है। उन्होंने कहा जहां 20-20 फीट तक पानी और मलवा जमा हो गया है उसे साफ करना और सड़कों को दुरुस्त करने का काम किया जा रहा है। आपदा का क्षेत्र इतना व्यापक है कि एक साथ या कुछ समय में सब कुछ सामान्य हो जाएगा ऐसा नहीं है। लेकिन इस दिशा में युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है सरकार के साथ तमाम सामाजिक संस्थाएं भी मदद में जुटी है।

उल्लेखनीय है कि आज ही केंद्र से भी आपदा प्रबंधन और सरकार के कुछ अधिकारियों की टीम को आपदा से हुए नुकसान के आकलन के लिए आना है, वहीं विपक्ष भी इसे लेकर सरकार की घेराबंदी कर रहा है। जिसके कारण सीएम को अब आपदा प्रबंधन की जांच के लिए खुद मैदान में उतरना पड़ा है। उन्होंने कहा कि हर जगह की समस्या अलग तरह की है कहीं जमीन में दरारें आ रही हैं तो कहीं मलवा व पानी जमा है। उन्होंने कहा कि इसका भूगर्भीय सर्वेक्षण भी कराया जाएगा।

भाजपा की ध्रुवीकरण राजनीति का मुखरता से जवाब दें: शैलजा

विशेष संवाददाता

देहरादून। लंबे समय के अंतराल के बाद आज उत्तराखंड दौरे पर आई कांग्रेस की केंद्रीय प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा का कहना है कि भाजपा जिस तरह की ध्रुवीकरण की राजनीति करती है कांग्रेस नेताओं को उसका मुखरता से जवाब देने के लिए तैयार रहना चाहिए।

कुमारी शैलजा पूरे डेढ़ साल बाद उत्तराखंड दौरे पर आई है। आज उन्होंने कांग्रेस विधायक दल की बैठक ली जिसमें नेता विपक्ष यशपाल आर्य तथा प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा सहित सभी बड़े कांग्रेस नेता मौजूद रहे। कुमारी शैलजा का मानना है कि भाजपा जिस तरह से धर्म जाति और आस्था के आधार पर समाज में नफरत फैलाने का काम करती है तथा ध्रुवीकरण की राजनीति करती है अब उसके बारे में आम आदमी जान समझ चुका है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं को नसीहत देते हुए कहा कि अब भाजपा के झूठ और भ्रम की राजनीति

से पर्दा उठ चुका है। भाजपा की इस ध्रुवीकरण का जवाब देने के लिए कांग्रेस नेताओं को और अधिक मुखरता के साथ काम करने की जरूरत है।

बैठक में कांग्रेस की एकजुटता का मुद्दा भी उठा। उन्होंने कहा कि नेता विपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में अब कांग्रेस का विचार और अधिक स्पष्ट हो चुका है। भाजपा का सबका साथ सबका विकास का जो नारा था उसके गुब्बारे की हवा निकल चुकी है। कांग्रेस पूरी तरह से सभी धर्म और जातियों को साथ लेकर राष्ट्रीय हित के लिए काम कर रही है। बैठक में भाजपा के वोट चोरी जैसे मुद्दे और इसे एक जन आंदोलन में बदलने की बात भी उठी। राज्य में हुए पंचायत चुनाव में हुई धांधली से लेकर अन्य तमाम मुद्दे भी चर्चाओं के केंद्र में रहे।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि बीते कुछ महीनों में जब से नेता विपक्ष के रूप में राहुल गांधी ने

❑भाजपा से लोगों का विश्वास उठा, कांग्रेस नये जोश के साथ आगे बढ़ी

कार्य शुरू किया कांग्रेस के अंदर नए जोश और जज्बे का संचार हुआ है।

बैठक में नेता विपक्ष यशपाल आर्य, प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, प्रीतम सिंह तथा पूर्व सीएम हरीश रावत के अलावा सूर्यकांत धस्माना, सह प्रभारी सरदार परगट सिंह और सुरेंद्र शर्मा के अलावा सभी विधायक मौजूद रहे।

दून वैली मेल

संपादकीय

चिंताजनक हालात

बीते कल जब राजधानी दून की सड़कों पर कांग्रेसी नेताओं द्वारा कानून व्यवस्था के मुद्दे को लेकर प्रदर्शन किया जा रहा था, उसी समय दिनदहाड़े धर्मनगरी हरिद्वार के शिवालिक नगर में हथियारबंद बदमाश एक कांग्रेसी नेता की बेटी को बंधक बनाकर उसके घर में लूटपाट कर रहे थे। घर में घुसे यह बदमाश तमंचे की नोक पर घर से लाखों के जेवरात और नगदी लूटकर गृह स्वामी की कार को लेकर फरार हो गए। सुशासन और भय मुक्त समाज का राग अलापने वाली सूबे की सरकार कितनी नाकाम और कामयाब हो सकती है यह घटना इसका उदाहरण है। विकास के दावों की अगर बात की जाए तो सत्ता में बैठे लोग देवभूमि को विकसित राज्य का मॉडल बनाने की घोषणा से पूर्व नहीं रुकते हैं लेकिन यह विकास कहां हो रहा है पूरे राज्य में कहीं ढूंढे भी दिखाई नहीं आएगा। राजधानी दून इसके बारे में कभी यह कहा जाता था कि राज्य का पूरा विकास सिर्फ दून तक ही सिमट कर रह गया है उसकी सड़कों की हालत शायद इससे बेहतर कभी किसी ने भी नहीं देखे होंगे। देहरादून के लोग दून की सड़कों पर कैसे आवाजाही कर रहे हैं इसका जायजा लेना है तो दून का एक चक्कर काट कर देख लीजिए सारी हकीकत सामने आ जाएगी कि जिस दून को स्मार्ट सिटी बनाने के नाम पर हजारों करोड़ रुपये बहा दिए गए वह कितना स्मार्ट बन पाया है। इस मानसून काल में तालाब में तब्दील होने वाली सड़कों से आप एक दो बार तो अवश्य ही गुजरे होंगे। गली मोहल्लो में या तो जल भराव की स्थिति बनी रहती है और अगर बारिश न हो तो पूरा शहर धूल-धूल हो जाता है। राज्य की चार धाम यात्रा को बारहमासी बनाने की जिद पर अड़ी सरकार को एक बार चार धाम यात्रा मार्गों का निरीक्षण और सर्वे जरूर कराना चाहिए कम से कम उसे इस बात का पता तो चल सकेगा की इस दौरान चार धाम यात्रा कितने सुचारू ढंग से संचालित हो रही है तथा यात्रियों को कितना जोखिम उठाना पड़ रहा है। कितने धामों तक यात्रियों का आसानी से पहुंच पाना संभव हो पा रहा है। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम की यात्रा विगत 20-25 दिनों से ठप पड़ी है वहीं केदार धाम और बद्रीनाथ धामों तक पहुंचने वाले यात्रियों की संख्या नगण्य रह गई है। कल कांग्रेस नेताओं द्वारा कानून व्यवस्था की खराब हालत तथा आपदा प्रबंधन की विफलता और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को लेकर अपने राज भवन कूच के जरिये सरकार को झकझोरने का प्रयास किया गया। कांग्रेस नेताओं ने इन तमाम समस्याओं पर चिंता जताते हुए सरकार पर आरोप लगाये कि क्या यह राज्य नेताओं और अफसरों की मौज मस्ती के लिए बनाया गया था? जहां राज्य गठन से लेकर अब तक आम आदमी अपनी समस्याओं को लेकर संघर्ष कर रहा है। यह दीगर बात है कि सरकार पर तमाम तरह के आरोप लगाने वाली कांग्रेस ने भी सूबे की सत्ता चलाई है। तथा आज वर्तमान की सभी समस्याओं के लिए सिर्फ बीजेपी ही जिम्मेदार नहीं है कांग्रेस भी बराबर की जिम्मेदार है लेकिन बीते कुछ सालों में जिस तरह से भाजपा के नेताओं और पदाधिकारियों की हर एक भ्रष्टाचार और आपराधिक मामलों में संलिप्ता सामने आई है वह हैरान करने वाली है तथा कांग्रेस को हमलावर होने का जो मौका मिला है वह भाजपा द्वारा ही दिया गया है लेकिन अब पानी नाक तक आ चुका है इसलिए चीख पुकार मचना स्वाभाविक ही है।

रणजीत रावत ने उमा बिष्ट के निधन पर दुख प्रकट किया

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस के पूर्व विधायक रणजीत रावत ने द्वाराहाट के विधायक मदन सिंह बिष्ट की धर्मपत्नी, अल्मोड़ा की पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती उमा बिष्ट के निधन पर दुख प्रकट किया है।

उन्होंने कहा अल्मोड़ा की पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती उमा बिष्ट के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। उनका जाना केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की अपूरणीय क्षति है। जिला पंचायत अध्यक्ष के रूप में उन्होंने जिले के विकास और सामाजिक कार्यों में जो अमूल्य योगदान दिया, वह सदैव स्मरणीय रहेगा। इस दुख की घड़ी में, मेरी गहरी संवेदनाएं बिष्ट परिवार के साथ हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि वह पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें और परिवार के सदस्यों को इस असहनीय दु:ख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

कृषि मंत्री ने किसानों की समस्याओं के समाधान पर दिया जोर

संवाददाता

देहरादून। कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने किसानों की समस्याओं के समाधान पर जोर दिया।

आज यहां प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कृषि एवं उद्यान विभाग की समीक्षा की। बैठक में कृषि मंत्री जोशी ने विभागीय योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने समीक्षा के दौरान कहा कि किसानों को उनकी मांग के अनुरूप समय पर सेब के कार्टन उपलब्ध कराए जाएं।

उन्होंने उत्तरकाशी के धराली क्षेत्र और आसपास के प्रभावित क्षेत्रों में अस्थायी फल भंडारण केंद्र शीघ्र बनाने के निर्देश दिए। साथ ही, आराकोट में कोल्ड स्टोरेज और नौगांव में मंडी निर्माण कार्य को जल्द पूरा करने को कहा। कृषि मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के 95 ब्लॉकों में अधिक से अधिक किसानों, स्वयं सहायता समूहों, पूर्व सैनिकों को प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार से जोड़ा जाए। उन्होंने वाइब्रेंट योजना के

तहत सीमांत गांवों में अखरोट उत्पादन की संभावनाओं को तलाशने और इसमें पूर्व सैनिकों को जोड़ने पर जोर दिया। साथ ही, प्रदेश के राजकीय गार्डनों में अखरोट की नर्सरी विकसित करने के भी निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने फार्म मशीनरी बैंक की अधिकतम स्थापना करने को कहा, ताकि किसानों को खेती के उपकरण सस्ती दरों पर उपलब्ध हो सकें।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने सेब की अति सघन बागवानी को बढ़ावा देने और दुर्गम क्षेत्रों में कृषकों के उत्पादों को सड़क मार्ग तक पहुंचाने के लिए रोपवे निर्माण कार्य शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। कृषि मंत्री जोशी ने पॉलीहाउस निर्माण की प्रगति पर भी नाराजगी जताई और अधिकारियों को तेजी से काम करने के निर्देश दिए।

उन्होंने उच्च अधिकारियों को जनपद स्तरीय अधिकारियों पर जिम्मेदारी तय की जाए तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। बैठक में आगामी माह में प्रस्तावित विभागीय कार्यक्रमों की तैयारियों पर भी चर्चा की गई। बैठक में कृषि सचिव डा. एसएन पांडेय, कृषि महानिदेशक रणवीर सिंह चौहान, कृषि निदेशक परमाराम, संयुक्त निदेशक दिनेश कुमार, संयुक्त निदेशक सुरेशराम, बागवानी मिशन के निदेशक महेंद्र पाल, जैविक बोर्ड के एमडी विनय कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

20वें गणपति महोत्सव का दिव्य शुभारम्भ

संवाददाता

देहरादून। श्री सिद्धि विनायक गणेश माहोत्सव पंडाल में विधि विधान से पूजा अर्चना के साथ 20वें गणपति महोत्सव का दिव्य शुभारम्भ हुआ।

आज यहां श्री सिद्धि विनायक गणेश महोत्सव पंडाल गढ़ी कैंट में पंडित संजय जोशी के पावन सानिध्य में 11 ब्राह्मणों ने वैदिक मंत्रोच्चारण और विधि विधान से पूजा अर्चना के साथ 20वे गणपति महोत्सव का दिव्य शुभारम्भ हुआ आयोजन समिति के मुख्य संरक्षक योगाचार्य डा. बिपिन जोशी ने बताया आज शाम को मयूर गुप्ता और मंडली द्वारा सुमधुर भजनों की प्रस्तुति की जाएगी उसके बाद सायंकाल की सामूहिक आरती होगी। आज के कार्यक्रम में मूर्तिकार और चित्रकार आजीव विजय, श्रीमती सुधा विजय, राजीव विजय, नीलम विजय, मधुसूदन शर्मा, अनिल मोटे, पंडित राजकुमार शर्मा आदि का विशेष सहयोग रहा।

संजय चोपडा दूसरी बारी नासवी रत्न से सम्मानित

संवाददाता

हरिद्वार। रेडी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स के संघर्ष कर रहे संजय चोपडा को दूसरी बार नासवी रत्न से सम्मानित किया गया।

आज यहां नई दिल्ली कांस्टीट्यूशन क्लब में नेशनल एसोसिएशन स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया नसावी के महा अधिवेशन में नसावी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्र प्रकाश सिंह राष्ट्रीय समन्वय अरविंद सिंह द्वारा उत्तराखंड में रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स के लिए संघर्ष कर उत्कृष्ट कार्य कर रहे संजय चोपड़ा को दूसरी बार नासवी रत्न से सम्मानित कर सार्वजनिक तौर पर अभिनंदन व स्वागत किया गया। आज हरिद्वार प्रथम वेंडिंग जोन के प्रांगण में नगर निगम क्षेत्र के रेड़ी पटरी के लघु व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने लघु व्यापारियों की बैठक आयोजित कर नेशनल एसोसिएशन स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया नासवी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राष्ट्रीय कार्यकारिणी का आभार प्रकट करते हुए लघु व्यापारी नेता संजय चोपड़ा का उत्साह वर्धन किया। इस अवसर पर लघु व्यापार एसो.के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा 25 वर्षों से रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों को संगठित कर सड़क से संसद भवन तक संघर्ष कर

स्ट्रीट वेंडर्स की न्याय संगत मांगों को दोहराते चले आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज उत्तराखंड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशन में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रयास से उत्तराखंड राज्य के सभी नगर निगम व नगर निकायों में उत्तराखंड नगरी फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को वेंडिंग जोन के रूप में स्वरोजगार दिए जा रहे हैं जो कि हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि नेशनल एसोसिएशन का स्ट्रीट वेंडर ऑफ इंडिया नासवी द्वारा 1998 से भारतवर्ष के सभी स्ट्रीट वेंडर संगठनों को संगठित कर केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा सामाजिक सुरक्षा दिलाने के लिए प्रयास किया जा रहे हैं। नेशनल एसोसिएशन स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया नासवी द्वारा उत्तराखंड राज्य के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारी नेता संजय चोपड़ा को उत्कृष्ट कार्य पर नासवी रत्न से सम्मानित किए जाने से उत्साहित लघु व्यापारियों में राजकुमार, कमल सिंह, मनीष शर्मा, ओमप्रकाश भाटिया, लालचंद गुप्ता, विजय गुप्ता, रणवीर सिंह ,जय भगवान ,उमेश कुमार, मोहनलाल, वीरेंद्र कुमार ,कमल शर्मा, नीरज कश्यप, चंदन रावत ,कुंदन सिंह, नीतीश अग्रवाल, तस्लीम अहमद ,नईम सलमानी, आजम अंसारी ,श्रीमती पूनम माखन, मंजू पाल ,सीमा देवी ,कामिनी मिश्रा ,इंदिरा देवी ,पुष्पा दास, माया देवी आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

अपनी साधारण सैंडल्स को बदलना चाहते हैं? आजमाएं ये आसान तरीके

सैंडल्स हमारे रोजमर्रा के जीवन का अहम हिस्सा हैं। ये आरामदायक होने के साथ-साथ हमारे स्टाइल को भी पूरा करती हैं, लेकिन कई बार ये उबाऊ लगने लगती हैं। ऐसे में कुछ छोटे-छोटे बदलाव करके आप अपनी पुरानी सैंडल्स को नया रूप दे सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपनी साधारण सैंडल्स को आकर्षक बना सकते हैं। इन तरीकों से आप अपने पैरों को स्टाइलिश बना सकते हैं।

मोती और स्टोन का उपयोग करें : मोती और स्टोन का उपयोग करके आप अपनी सैंडल्स को बहुत ही आकर्षक बना सकते हैं। इसके लिए आपको बस कुछ छोटे-छोटे मोती या स्टोन चाहिए, जिन्हें आप सैंडल्स के पट्टे पर चिपका सकते हैं। आप इन्हें गोंद की मदद से चिपका सकते हैं या फिर सिलाई कर सकते हैं। यह तरीका न केवल आपकी सैंडल्स को नया रूप देगा, बल्कि इसे पहनने पर आपको खास महसूस होगा।

रिबन और लेस जोड़ें : रिबन और लेस जोड़कर भी आप अपनी साधारण सैंडल्स को स्टाइलिश बना सकते हैं। इसके लिए आप किसी रंगीन या डिजाइनदार रिबन का चयन करें और उसे सैंडल्स के पट्टे पर बांधें। इससे आपकी सैंडल्स में एक नया टच आएगा। इसके अलावा आप लेस का भी उपयोग कर सकते हैं, जिससे सैंडल्स को एक अलग ही लुक मिलेगा। यह तरीका न केवल देखने में अच्छा लगेगा बल्कि पहनने में भी आरामदायक होगा।

फूलों का उपयोग करें : फूलों का उपयोग करके भी आप अपनी पुरानी सैंडल्स को नया रूप दे सकते हैं। इसके लिए आप नकली फूल खरीद सकते हैं या फिर अपने पुराने कपड़ों से काटकर उपयोग कर सकते हैं। इन फूलों को सैंडल्स के पट्टे पर चिपकाएं या सिलाई करें। इससे आपकी सैंडल्स न केवल आकर्षक दिखेंगी बल्कि इन्हें पहनकर चलने में भी मजा आएगा। यह तरीका आपके पैरों को स्टाइलिश बनाने में मदद करेगा और आपके लुक को खास बनाएगा।

पेंटिंग करें : अगर आप थोड़े रचनात्मक हैं तो आप पेंटिंग का सहारा ले सकते हैं। इसके लिए आपको कपड़ों पर रंग लगाने वाला रंग चाहिए होगा, जिसे आप अपनी पसंदीदा डिजाइन में सैंडल्स पर पेंट कर सकते हैं। इसके अलावा आप स्टेंसिल का भी उपयोग कर सकते हैं, जिससे आपकी सैंडल्स में एक नया टच आएगा। इस तरह आप अपनी पुरानी सैंडल्स को आसानी से नया रूप दे सकते हैं और उन्हें स्टाइलिश बना सकते हैं। (आरएनएस)

फूलों से रंगोली बनाने से पहले इन 5 बातों का रखें ध्यान, बनेगी सुंदर

त्योहारों के दौरान लोग अपने घर के आंगन, बरामदे और बाहर की तरफ रंगोली बनाना पसंद करते हैं। हालांकि, अगर आप फूलों से रंगोली बनाना चाहते हैं तो इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा। फूलों से रंगोली बनाते समय थोड़ी सावधानी बरतना जरूरी है ताकि रंगोली सुंदर दिखे। आइए आज हम आपको फूलों से रंगोली बनाने से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण बातें बताते हैं, जिनका ध्यान रखना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

अलग-अलग रंग के फूलों का करें चयन : फूलों से रंगोली बनाने से पहले अलग-अलग रंग के फूलों का चुनाव करना जरूरी है। इसके लिए आप अपने पसंदीदा फूलों को ध्यान में रखते हुए उनकी व्यवस्था करें। उदाहरण के लिए अगर आप गुलाब के फूलों का उपयोग करना चाहते हैं तो लाल, पीला और सफेद गुलाब के फूलों का इस्तेमाल करें। इसके अलावा अगर आप गेंदे के फूलों से रंगोली बनाना चाहते हैं तो पीले और नारंगी रंग के फूलों से रंगोली बनाएं।

आकार का ध्यान रखें : फूलों से रंगोली बनाते समय उसके आकार का ध्यान रखना चाहिए। आप चाहें तो फूलों की मदद से दिल, सूरज, चंद्रमा, पेड़-पौधे, पक्षी और अन्य कई आकृतियां बना सकते हैं। इसके लिए पहले जमीन पर हल्का पेंसिल से स्केच बना लें, फिर उसके ऊपर फूलों को अच्छे से रखें। इससे आपकी रंगोली एकदम साफ-सुथरी और सुंदर दिखेगी। इसके अलावा फूलों से रंगोली बनाते समय फूलों की पंखुड़ियों को इस तरह से रखें कि वे साफ-सुथरी दिखें।

फूलों की व्यवस्था सही से करें : फूलों से रंगोली बनाते समय फूलों की व्यवस्था इस तरह से करें कि वे एक दूसरे से जुड़े हुए और साफ-सुथरे दिखें। इसके लिए आप फूलों को धीरे-धीरे और सावधानीपूर्वक रखें ताकि वे टूटे न। इसके अलावा फूलों को इस तरह से रखें कि उनकी पंखुड़ियां एक दूसरे से जुड़ी रहें और रंगोली का पूरा डिज़ाइन साफ-सुथरा दिखे। इससे आपकी रंगोली एकदम बेहतरीन और आकर्षक दिखेगी।

फूलों को ताजगी देने के लिए पानी का करें इस्तेमाल : फूलों की रंगोली में ताजगी बनाए रखने के लिए पानी का इस्तेमाल करें। इसके लिए आप एक स्प्रे बोतल में पानी भरकर हल्के हाथों से स्प्रे करें या फिर एक कपड़े को पानी से भिगोकर उससे फूलों को पोछें। इससे फूल न तो मुरझाएंगे और न ही टूटेंगे। इसके अलावा आप चाहें तो फूलों की रंगोली के ऊपर हल्का-सा गुलाब जल छिड़क सकते हैं। इससे फूलों की रंगोली ताजगी बनी रहेगी।

सफाई का रखें ध्यान : फूलों से रंगोली बनाने के बाद सफाई का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। अगर आपने पहले से ही सफाई की हुई जगह पर रंगोली बनाई है तो उसे हटाने में ज्यादा परेशानी नहीं होगी। इसके अलावा अगर आपकी रंगोली के आस-पास कोई गंदगी हो तो उसे साफ करें ताकि आपकी रंगोली साफ-सुथरी दिखे। इन बातों का ध्यान रखकर आप आसानी से अपने घर में खूबसूरत फूलों से रंगोली बना सकते हैं। (आरएनएस)

ऐसे बढ़ाएं अपनी इम्यूनिटी और रहें फिट

मौसम में बदलाव के दौरान लोगों के बीमार पड़ने की संभावना ज्यादा होती है। बदलते मौसम में खुद का ख्याल रखना बहुत जरूरी हो जाता है। जरा-सी लापरवाही से आपको परेशानी में डाल सकती है। इसलिए मौसम के साथ तालमेल बनाए रखना जरूरी हो जाता है, ताकि आप बीमारियों से बचे रहें।

अपनी इम्युनिटी को बढ़ाकर आप किसी भी मौसम में फिट रह सकते हैं।यहां हम आपको कुछ जरूरी टिप्स बता रहे हैं, जिनसे आपको अपनी इम्युनिटी बढ़ाने और फिट रहने में मदद मिलेगी।दिन की शुरुआत चाय की बजाय नारियल पानी से करें। यह एक प्राकृति पेय है, जो आप अपने शरीर को देते हैं। नारियल पानी में पाए जाने वाले एंटीऑक्सिडेंट्स और पोषक तत्व शरीर को स्वस्थ रखते हैं। नारियल पानी में विटामिन सी, मैग्नीशियम, मैग्नीज, पोटैशियम, सोडियम और कैल्शियम भी भरपूर मात्रा में होता है। नारियल पानी में कैलोरी की मात्रा कम होने से वजन घटाने में मदद करता है।

अच्छे स्वास्थ्य के लिए हेल्दी डाइट और पर्याप्त नींद बहुत जरूरी है। नींद पूरी होने के बाद आप सुबह तरोताजा महसूस करेंगे। साथ ही सोने से पहले और सुबह उठने के बाद अपने सांस लेने और छोड़ने की प्रक्रिया पर दो मिनट के लिए ध्यान केंद्रित करें, जिससे आपको ताजगी महसूस होगी।

आपकी इम्यूनिटी को बढ़ाने वाली कई चीजें आपके किचन में ही मौजूद होती हैं, जैसे अजवायन, अदरक और पुदीना। रोज करीब 28 ग्राम अजवायन के रस का सेवन करें। यह पाचन क्रिया को बेहतर करने के साथ ही मेटाबॉलिज्म को तेज करता है और वजन घटाने में भी मदद करता है। साथ ही अदरक और पुदीने की पत्तियों को गर्म पानी में डाल कर पीएं, इससे आप जुकाम और वायरस से दूर रहेंगे।

भोजन में सूप, हरी सब्जियां, फल और ग्रीन टी शामिल करें। खाने में सहजन का भरपूर उपयोग करें। इसमें प्रोटीन, अमीनो ऐसिड, बीटा कैरोटिन, फीनॉलिक के साथ ही कैल्शियम की मात्रा भी काफी होती है। यह मोटापा और शरीर की बढ़ी हुई चर्बी को दूर करने में लाभदायक औषधि माना गया है। इसमें फॉस्फोरस होता है जोकि शरीर की अतिरिक्त कैलरी को कम करता है और साथ ही फैट को कम कर मोटापा कम करने में भी सहायक होता हैशरीर को हेल्दी बनाए रखने के लिए किसी भी तरह के एक्सर्साइज को अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाएं।

रोज वॉक पर या रनिंग के लिए जाएं। किसी तरह की स्पोर्ट ऐक्टिविटी को जॉइन करें। योग को भी अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना सकते हैं। ताकि आपके शरीर की सभी मांसपेशियां एक्सर्साइज में शामिल हों।

मौके के हिसाब से स्लीव्स फोल्ड करने का सही तरीका

शर्ट की आस्तीनें मोड़ना एक नॉर्मल काम लगता है लेकिन क्या आप जानते हैं कि आप स्लीव्स कैसे मोड़ते हैं यह आपके आउटफिट के लुक, इमेज पर काफी असर डालता है। अब ऐसा करने से पहले जान लें ये बातें...

फोल्ड की हुई आस्तीनें आपके फॉर्मल आउटफिट का लुक बदलकर कैजुअल कर देती हैं और आपकी बाहें भी आकर्षक हो जाती हैं। आस्तीनें मोड़ने के कई तरीके हैं और आपको अपने ऊपर सूट करने वाला सही तरीका पता करने के लिए सबको ट्राई कर लेना चाहिए। आस्तीन मोड़ने से पहले सबसे पहले इसके बटन खोल लें।

आपको आस्तीन कोहनी से ऊपर तक मोड़नी है या नीचे यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपका प्लान क्या है। अगर आप कुछ करने जा रहे है तो इसे ऊपर तक मोड़ सकते है। अगर रिलैक्सेशन के मूड में हैं तो कोहनी के नीचे तक। अगर ज्यादा स्टायलिश दिखना चाहते हैं तो इतना ऊपर तक मोड़ें कि आपकी आर्म दिखे जैसे आप जिम जा रहे हों। क्लीन लुक के लिए दोनों आस्तीन को बराबरी पर थोड़ा-थोड़ा मोड़ लें। आपकी आस्तीनों की लंबाई कितनी है यह भी बड़ा फैक्टर है। अगर स्टाइल एटिकेट रूल की बात करें तो मुड़ी हुआ आस्तीनें और टाइ एक साथ नहीं पहने जाते क्योंकि दोनों कॉन्ट्रास्टिंग स्टाइल्स हैं- कैजुअल और फॉर्मल। अगर आप फिर भी ऐसा करना चाहते हैं तो टाइ ढीली कर लें।

तीखी-तीखी हरी मिर्च से पाएं खूबसूरत ग्लोइंग स्किन

तीखी हरी मिर्च और वह भी स्किन की खूबसूरती के लिए? सुनकर अजीब लगा ना? लेकिन यह सच है। हरी मिर्च खाने से हेल्थ को कितने फायदे होते हैं इस बारे में तो आपने काफी सुना होगा लेकिन हरी मिर्च स्किन को भी कई तरह से फायदा पहुंचाते हुए उसे खूबसूरत बने रहने में मदद करने के साथ ही ग्लो बढ़ाने में भी मदद करती है। जानें कैसे:

पिंपल्स और ऐक्ने की समस्या होगी दूर

हरी मिर्च में ऐंटीऑक्सिडेंट प्रॉपर्टीज होती हैं। इससे शरीर को और स्किन को टॉक्सिन फ्री होने में मदद मिलती है। साथ ही में इसमें ऐंटीबैक्टीरियल प्रॉपर्टीज भी होती हैं। इसकी यही खासियत स्किन को भी हेल्दी रहने में मदद करते हुए उसे पिंपल फ्री और ऐक्ने फ्री रखती है।

झुर्रियों को रखे दूर

मिर्ची में मौजूद विटमिन सी कोलेजन को बढ़ाता है जो चेहरे पर आने वाली झुर्रियों और फाइन लाइन्स से लड़ने में मदद करता है।

ग्लो के लिए

हरी मिर्च ब्लड फ्लो को सही रखने में भी मदद करती है। इससे सेल्स पर पॉजिटिव असर पड़ता है जो चेहरे पर नैचरल ग्लो बढ़ाने में भी मदद करता है।

दाग-धब्बे होंगे दूर

हरी मिर्च में फाइटोन्यूट्रिएंट्स मौजूद होते हैं जो स्किन को दाग-धब्बों और रैशेज से फ्री रखने में मदद करती हैं।

स्किन दिखेगी जवां

मिर्च में कैप्साइसिन होता है जो सेल्स के न्यूक्लियर ट्रांस्क्रिप्शन फैक्टर्स को ब्लॉक करता है, इससे स्किन को यंग बने रहने में मदद मिलती है।

किरण अब्बावरम स्टारर के-राम्प फिल्म दीपावली पर रिलीज होगी

निर्देशक जैन नानी की एक्शन-कॉमेडी फिल्म के-राम्प के निर्माताओं ने शनिवार को फिल्म के ओणम सॉन्ग का लिरिकल वीडियो रिलीज किया। इस फिल्म में किरण अब्बवरम और युक्ति थरेजा मुख्य भूमिका में हैं। गाने के रिलीज होने से फैन्स काफी उत्साहित हैं।

हास्य मूवीज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर गाने को पोस्ट करते हुए लिखा, के-राम्प गाना एक उत्सव की तरह है। उम्मीद करता हूं कि आप सभी इसे उतना ही पसंद करेंगे जितना हमने इसे बनाते समय किया। ओणम सॉन्ग के-राम्प।

ओणम सॉन्ग को चैतन्य भारद्वाज ने कंपोज किया है और इसे उन्होंने साहिथी चागंती के साथ मिलकर गाया है। गाने के बोल सुरेंद्र कृष्णा ने लिखे हैं, और गाने की कोरियोग्राफी पो लाकी विजय ने की है, जिसने इस गाने को और भी आकर्षक बना दिया है। फिल्म इस दीपावली, 18 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इससे पहले मकर्स ने अभिनेता किरण अब्बवरम के जन्मदिन के खास मौके पर के-राम्प की पहली झलक जारी की थी। निर्देशक जैन नानी ने किरण को एक दमदार और अलग अंदाज में पेश किया था, जिसमें उनकी मजेदार टाइमिंग और नया अंदाज देखने को मिल रहा था। सूत्रों के मुताबिक यह फिल्म किरण अब्बवरम की पहली कॉमेडी फिल्म है। इसे जैन नानी ने निर्देशित किया है और राजेश डंडा व शिवा बोम्माक ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में युक्ति थरेजा मुख्य फिमेल लीड का रोल निभा रही हैं। इसका संगीत चैतन भारद्वाज ने दिया है और सिनेमैटोग्राफी सतीश रेड्डी मासम ने की है। फिल्म की शूटिंग फरवरी 2025 में शुरू हुई थी। इसकी एडिटिंग छोटा के. प्रसाद ने किया है, और संवाद (डायलॉग्स) रविंद्र राजा ने लिखे हैं, जबकि एक्शन सीक्वेंस की कोरियोग्राफी पृथ्वी ने की है। अप्पाजी फिल्म के कार्यकारी निर्माता हैं। ग्रैविटी वीएफएक्स ने फिल्म के विजुअल इफेक्ट्स पर काम किया है। यह फिल्म दर्शकों के लिए हंसी, रोमांस और एक्शन का शानदार मिश्रण लेकर आएगी। फिल्म दीपावली पर 18 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रुक्मिणी वसंत की हुई कांतारा यूनिवर्स में ग्रैंड एंट्री

कन्नड़ सिनेमा की सबसे आइकॉनिक दुनियाओं में से एक कांतारा में रुक्मिणी वसंत एंट्री ले चुकी हैं। सप्त सगरदाचे एलो में अपनी गहरी परफॉर्मेंस से दिल जीतने वाली रुक्मिणी अब ऋषभ शेट्टी के साथ कांतारा यूनिवर्स के इस ग्रैंड एक्सपेंशन का हिस्सा बन चुकी हैं। उनके लिए यह मौका किसी सपने से कम नहीं।

रुक्मिणी ने बताया, मुझे इस फिल्म का ऑफर पिछले साल ही आया था। तभी मेरी मुलाकात ऋषभ सर से हुई। उन्होंने कहानी सुनाई और पूछा कि क्या मैं इस सफर का हिस्सा बनना चाहूंगी। सच कहूँ तो उस वक्त लगा कि अरे वाह, सपना तो यहीं पूरा हो गया। सप्त सगरदाचे एलो के बाद से ही ऋषभ शेट्टी उनकी तारीफ़ करते आ रहे हैं, और अब इस फिल्म में कास्ट होना उनके लिए फुल सर्कल मोमेंट जैसा है। सप्त के प्रीमियर पर उन्होंने मेरी बहुत तारीफ़ की थी। उस दिन लगा कि मेरी मेहनत रंग लाई। और अब उन्हीं का ऑफरज् इतने बड़े प्रोजेक्ट के लिएज् यह तो सचमुच खास है।

हालाँकि खुशखबरी मिलने के बाद भी रुक्मिणी को राज़ छुपाकर रखना पड़ा। दिल तो करता था छत पर चढ़कर चिल्ला दूँ अरे मैं कांतारा में हूँ! लेकिन पता था कि सही वक्त आने पर ही अनाउंस करना है। तो यह एक प्यारा-सा सीक्रेट बन गया जिसे मैंने अपने दिल में छुपाकर रखा।

फैंस लगातार उनसे उनके अगले कन्नड़ प्रोजेक्ट के बारे में पूछते रहे और वह मन ही मन खुश होकर मुस्कुराती रहीं। लोग बार-बार पूछते थे अगली फिल्म कब? और मैं चाहकर भी कुछ बता नहीं सकती थी। अब जब राज़ खुल चुका है तो दिल को बड़ी तसल्ली और खुशी मिल रही है। रुक्मिणी की कांतारा जर्नी कृतज्ञता, ग्रोथ और उस रोमांच की कहानी है जो किसी ऐसे मैजिकल सिनेमाई यूनिवर्स में कदम रखने से मिलती है जिसने पूरे देश की कल्पना को बाँध रखा है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

संगीत बच्चों की कम उम्र से ही करता है भावनाओं को पहचानने में मदद

संगीत एक ऐसी कला है, जो मन को सुकून देकर खुशी महसूस करवाने का जादू रखती है। चाहे हम खुश हों या उदास हों, संगीत सभी भावनाओं को व्यक्त करने का जरिया माना जाता है। बड़ों के लिए अपनी भावनाओं को समझना आसान होता है, लेकिन बच्चे ऐसा नहीं कर पाते हैं। ऐसे में संगीत उनका सहारा बन सकता है। एक अध्ययन के मुताबिक, संगीत छोटे बच्चों की कम उम्र से ही भावनाओं को पहचानने में मदद कर सकता है।

फिलाडेल्फिया के पेन स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज के मनोविज्ञान विभाग के शोधकर्ताओं ने यह अध्ययन किया है। वे संगीत के माध्यम से भावहीन व्यवहार से जुड़े लक्षणों वाले बच्चों की भावनाओं को समझने का प्रयास करना चाहते थे। जो बच्चे सहानुभूति या अपराधबोध जैसी भावनाओं का अभाव महसूस करते हैं, उनके आक्रामक होने का खतरा ज्यादा रहता है। इसी कारण से शोधकर्ता छोटी उम्र से ही बच्चों को संगीत के माध्यम से भावबोधक बनाने की कोशिश में जुटे थे।

शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन के लिए फिलाडेल्फिया के 3 से 5 साल की आयु वाले 144 बच्चों की जांच की थी। उन्हें 5-5 सेकंड की संगीत क्लिप सुनाई गई थी। इनके जरिए यह देखने का प्रयास किया गया था कि वे खुशी, उदासी, शांति या भय को कितनी अच्छी तरह पहचानते हैं। यह अध्ययन उन बच्चों के सामुदायिक नमूने पर किया गया, जिनमें समग्र रूप से कठोर-भावनाहीन लक्षणों का स्तर कम था।

इस अध्ययन के नतीजों को चाइल्ड डेवलपमेंट पत्रिका में प्रकाशित किया गया था। इसमें सामने आया कि बच्चे संगीत के माध्यम से भावनाओं की पहचान ज्यादा सटीकता से कर सकते हैं। उम्र के साथ उनका प्रदर्शन भी बेहतर होता जाता है। इसके अलावा, पाया गया कि जिन बच्चों के माता-पिता उन्हें कठोर-भावनाहीन वाले लक्षणों में ज्यादा अंक देते हैं, वे संगीत में भावनाओं की पहचान कम कर पाते हैं। हालांकि, उन्हें डरावना संगीत पहचानने में ज्यादा मुश्किल नहीं होती।

इस अध्ययन की सह-वरिष्ठ लेखिका एसोसिएट प्रोफेसर रेबेका वालर ने कहा, हमें पता चला है कि बच्चे 3 साल की उम्र में भी भावनाओं को सही भावनात्मक संगीत से मिलाने में अच्छे होते हैं। यह इस बात पर जोर देता है कि संगीत भावनात्मक समाजीकरण और सामाजिक कौशल शिक्षण के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। नतीजे साफ तौर पर कहते हैं कि संगीत सुनने से बच्चे अपनी भावनाओं को समझना और व्यक्त करना सीख सकते हैं।

सबसे दिलचस्प निष्कर्षों में से एक यह है कि चेहरे के भावों की तुलना में संगीत से भावना पहचान में अंतर होता है। अध्ययन के मुताबिक, कठोर-भावनाहीन लक्षणों वाले बच्चों को चेहरे के भावों से संकट को पहचानने में अधिक कठिनाई होती है। शोधकर्ताओं को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि कठोर-भावनाहीन लक्षणों वाले बच्चे भी संगीत सुनकर भय को पहचानने में सक्षम थे। इससे पता चलता है कि संगीत भावना पहचानने के लिए अद्वितीय रूप से उपयुक्त हो सकता है। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -63

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे
1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

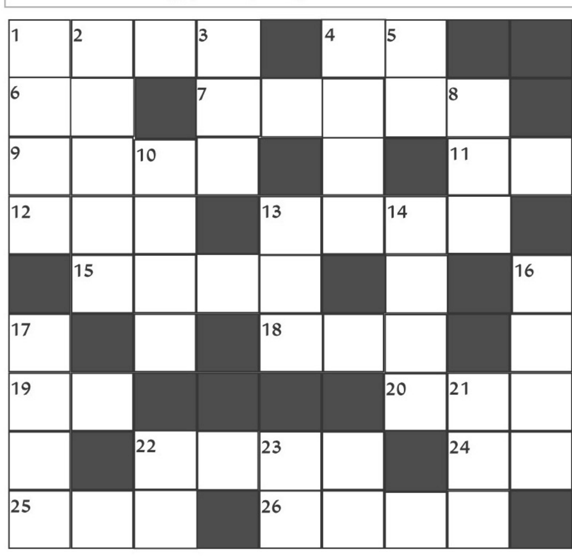

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 62 का हल

दि	क्क	त		आ	सा	न		आ
ल		मी		खि		सी	ख	ना
	म	ज	बू	र		ह		जा
स	र्द			का		त	रा	ना
र				र	वि		ह	
प	ह	ना	ना		ना	रा	ज	
ट			क	शि	श		नी	ला
	र			का		रा		य
खा	ति	र	दा	री		त	क्ष	क

अनुष्का शेट्टी ने विक्रम प्रभु संग गांजा तस्करों के खिलाफ उठाया हथियार

बाहुबली एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी फिल्म घाटी के साथ धमाकेदार बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। किश जगरलामुदी की निर्देशित इस एक्शन ड्रामा की रिलीज डेट दो बार पोस्टपोन हो चुकी है। मेकर्स ने अब घाटी की नई रिलीज डेट के साथ इसका ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसका धमाकेदार वीडियो दर्शकों को अनुष्का शेट्टी अभिनीत इस फिल्म के लिए उत्साहित कर रहा है।

अनुष्का शेट्टी की फिल्म घाटी के मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया है।एक्शन और दिलचस्प रहस्य से भरपूर इस ट्रेलर में अनुष्का शेट्टी एक क्रूर और साहसी महिला के रूप में दिखाई दे रही हैं, जो अपने अधिकारों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकती है।

मेकर्स घाटी की नई रिलीज के साथ ट्रेलर अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया और कैप्शन में लिखा, घाटों की एक आवाज है। वो दहाड़ती है। वो बगावत करती है। वो गूंजती है। घाटी - खून, पसीने और पत्थर से गढ़ी एक कहानी। घाटी का ट्रेलर अभी रिलीज। घाटी की ग्रैंड रिलीज 5 सितंबर, 2025 को दुनिया भर में होगी।

जैसा कि घाटी के ट्रेलर से पता चलता है, घाटी घाट के दुर्गम पहाड़ों में बसी अस्तित्व, विद्रोह और आजादी की कहानी है। यह फिल्म एक पहाड़ी इलाके में रहने वाले गांजा व्यापारियों की कहानी कहती है। यह घाटी शुरुआत में गुजारा चलाने के लिए इस गैर-कानूनी पेशे को अपनाते हैं, लेकिन बाद में उन्हें एहसास होता है कि वे लोगों की जिंदगी को नुकसान पहुंचा रहे हैं। अनुष्का अपने गिरोह के साथ मिलकर उन बड़े लोगों का सामना करने का फैसला करती है, जो उनका शोषण करने की कोशिश कर रहे हैं।

अनुष्का शेट्टी के फैंस को इस पावर-पैक ट्रेलर के साथ एक ट्रीट मिलने वाली है, जो शानदार एक्शन सीक्वेंस, रोमांस और ड्रामा से भरपूर है। ट्रेलर यह बताता है कि उनकी भूमिका में कई शेड्स होंगे।

फिल्म घाटी पहले 18 अप्रैल 2025 को रिलीज किया जाना था, लेकिन इसे पोस्टपोन करके मेकर्स ने 11 जुलाई 2025 को इसे रिलीज करने का फैसला किया। मेकर्स एक बार फिल्म की रिलीज की तारीख को आगे बढ़ाने का फैसला किए। अब यह फिल्म 5 सितंबर को रिलीज होगी।

कृष जगरलामुदी की लिखित और निर्देशित इस ग्रामीण एक्शन फिल्म में अनुष्का शेट्टी, विक्रम प्रभु के साथ मुख्य भूमिका निभा रही हैं। नागवेल्ली विद्या सागर ने संगीत दिया है। चूंकि यह फिल्म 5 सितंबर, 2025 को रिलीज होने वाली है, इसलिए यह बॉक्स ऑफिस पर शिवकार्तिकेयन की मधरासी से मुकाबला करेगी क्योंकि दोनों फिल्में 5 सितंबर को रिलीज के लिए तय हैं।

दुलकर सलमान की आगामी पीरियड ड्रामा कांथा का टीज़र रिलीज़

दुलकर सलमान आगामी पीरियड ड्रामा कांथा में अभिनय करने के लिए तैयार हैं, यह फिल्म दर्शकों को 1950 के दशक की मद्रास की जीवंत गलियों में ले जाने का वादा करती है। कांथा का टीज़र दुलकर के जन्मदिन पर रिलीज़ किया गया, जिससे प्रशंसकों को फिल्म की कहानी और किरदारों की एक झलक मिली। फिल्म का निर्देशन सेल्वमणि सेल्वराज ने किया है और इसका निर्माण दुलकर की वेफेयरर फिल्म्स और राणा दग्गुबाती की स्पिरिट मीडिया ने किया है।

कांथा का टीज़र इसकी कहानी की क्षमता को दर्शाता है, जिसमें दुलकर सलमान, भाग्यश्री बोरसे और समुथिरकानी ने प्रभावशाली अभिनय किया है। फिल्म की कहानी दुलकर और समुथिरकानी के किरदारों के बीच शक्ति संतुलन और अहंकार के टकराव के इर्द-गिर्द घूमती है, जो कहानी को एक नया आयाम देती है। अपनी पुरानी यादों से भरी पृष्ठभूमि और सितारों से सजी टीम के साथ, कांथा एक सम्मोहक सिनेमाई अनुभव साबित हो रही है। फिल्म में राणा दग्गुबाती भी एक महत्वपूर्ण भूमिका में हैं, जो कलाकारों की सशक्त उपस्थिति को और बढ़ा देता है।

फिल्म की तकनीकी टीम भी उतनी ही प्रभावशाली है, जिसमें झानू चंथर संगीत रचना, दानी सांचेज़-लोपेज़ छायांकन और लेवल एंथनी गोंसाल्वेज़ संपादन का ज़िम्मा संभाल रहे हैं। इन प्रतिभाशाली कलाकारों का संयोजन एक समृद्ध दृश्य पैलेट और तीक्ष्ण कहानी कहने का वादा करता है। अपनी आकर्षक कहानी, प्रतिभाशाली कलाकारों और मज़बूत तकनीकी टीम के साथ, कांथा से पीरियड ड्रामा शैली की एक बेहतरीन फिल्म बनने की उम्मीद है। सेल्वामणि सेल्वराज द्वारा लिखित और निर्देशित।

महानती, कुरुप, सीता रामम, किंग ऑफ कोठा और लकी भास्कर जैसी फिल्मों में अपने सफल अभिनय के बाद, कांथा के साथ दलकेर पीरियड शैली में वापसी कर रहे हैं। प्रशंसक फिल्म की रिलीज़ का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं और टीज़र ने काफ़ी चर्चा बटोरी है। अपनी अनूठी कहानी और प्रतिभाशाली टीम के साथ, कांथा बॉक्स ऑफिस पर हिट होने के लिए तैयार है।

एपी संग काम करने का अनुभव काफी शानदार रहा: तारा सुतारिया

एपी ढिल्लन ने गायिका श्रेया घोषाल और अभिनेत्री तारा सुतारिया के साथ मिलकर गाना थोड़ी सी दारू तैयार किया है। तारा ने बताया है, कि को-एक्टर के साथ काम करने का अनुभव बेहद खास रहा है।

तारा ने बताया, जब मैंने पहली बार यह गाना सुना था, तो मैं इसकी दीवानी हो गई थी। यह एक मजेदार गाना है और एपी के रिकॉर्ड में मैंने जो पहले सुना था, उससे बिल्कुल अलग है।

उन्होंने आगे कहा, एपी के साथ शूट काफी मजेदार था, शूट का माहौल काफी हल्का और खुशनुमा था। हमने शूटिंग के दौरान खूब मस्ती की, जिस वजह से शूटिंग काफी अच्छी तरह से हो गई।

अभिनेत्री ने गायिका श्रेया घोषाल की भी तारीफ करते हुए कहा, इस साल फिर से श्रेया मैम की आवाज पर एक्ट करना मेरे लिए बहुत खुशी और सम्मान की बात है। उनकी आवाज ने इस गाने को और भी निखार दिया है। मुझे उम्मीद है कि फैंस इसे उतना ही पसंद करेंगे, जितनी हमने इसे बनाने में मेहनत की है।

गाने के बारे में एपी ढिल्लन ने कहा, मैं हमेशा से नए तरह के संगीत और वाइब्स के साथ काम करना पसंद करता हूं और इस गाने में श्रेया घोषाल के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। उनकी आवाज ने गाने को और मधुर बना दिया है, वहीं गाने में तारा ने गाने में और भी आकर्षण भर दिया।

ढिल्लन ने कहा, वह उस माहौल को समझ गई, जिसे हम दर्शकों को दिखाना चाहते थे, जिसके बाद आसानी से वह कहानी का अहम हिस्सा बन गई।

गायिका श्रेया घोषाल ने गाने में अपनी आवाज दी है। वहीं, गाने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, जब उन्होंने यह गाना पहली बार सुना, तो वह इस गाने में काम करने के लिए उत्साहित हो गईं।

उन्होंने आगे कहा, एपी दिल से गाते हैं, और इसी वजह से यह गाना और भी बेहतरीन बन गया। स्टूडियो में हमारी कैमिस्ट्री काफी अच्छी थी, मुझे उम्मीद है कि दर्शक भी इस गाने से जुड़ाव महसूस करेंगे।

हर किरदार कुछ नया सबक देता है: कनिका मान

अभिनेत्री कनिका मान अपनी अपकमिंग फिल्म के लिए कार चलाना सीख रही हैं। अनटाइटल्ड फिल्म को लेकर उत्साहित कनिका का मानना है कि हर किरदार कुछ नया सिखाता है।

फिल्म में उनके किरदार के लिए सड़क पर कुछ महत्वपूर्ण सीन्स की शूटिंग करनी है।

कनिका ने कहा, मेरा हमेशा से मानना है कि हर किरदार आपको कुछ नया सिखाता है। इस बार यह कार चलाना है!

उन्होंने आगे बताया, कभी-कभी यह डरावना लगता है, लेकिन गाड़ी चलाना और यह जानना कि मैं यह अपनी फिल्म के लिए सीख रही हूं, जो मेरे दिल के बहुत करीब है, बेहद रोमांचक है।

मुंबई की व्यस्त सड़कों और बारिश के बावजूद कनिका नियमित रूप से ड्राइविंग सीख रही हैं। उनकी लगन और उत्साह उनके किरदार के प्रति समर्पण को दिखाते हैं।

कनिका को टीवी धारावाहिक गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा' में गुड्डन जिंदल और गुड्डन बिड़ला के दोहरे किरदार के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक मॉडल के रूप में की और कई पंजाबी म्यूजिक वीडियो में नजर आईं। साल 2017 में उन्होंने पंजाबी फिल्म रॉकी मेंटल' से शुरुआत की थी, जिसमें उनके साथ अभिनेता धीरज कुमार मुख्य किरदार में थे।

साल 2018 में कनिका ने कन्नड़ फिल्म बृहस्पति' से डेब्यू किया और उसी साल पंजाबी फिल्म दाना पानी' में माघी का किरदार निभाया। टीवी पर उनकी शुरुआत बढ़ो बहू से हुई, जहां वह प्रिंस नरूला के साथ तितली के किरदार में नजर आई थीं। साल 2018 से 2020 तक वह गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा' में निशांत सिंह मल्कानी के साथ दिखीं। कनिका साल 2021 में पंजाबी फिल्म अमेरिका माय ड्रीम' में दिखीं।

2022 में कनिका ने वेब सीरीज रूहानियत' से डिजिटल डेब्यू किया, जिसमें उनके साथ अभिनेता अर्जुन बिजलानी मुख्य भूमिका में थे। उसी साल वह रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ट शो खतरों के खिलाड़ी' के 12वें सीजन में दिखीं।

कनिका, हाल ही में वह पंजाबी फिल्म जॉम्बीलैंड' में नजर आईं, जिसमें उनके साथ बिन्नू ढिल्लों, अंगीरा धर, जी खान गुरी, धनवीर सिंह और जस्सा ढिल्लों भी हैं। यह फिल्म भारत की पहली पंजाबी जॉम्बी कॉमेडी (जॉम-कॉम) के रूप में चर्चित है, जिसे लेखक-निर्देशक थापर ने बनाया।

भारत की स्थिति चीन से बहुत भिन्न

डॉ. प्रभात दीक्षित

दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश रहे चीन को आज अपनी घटती जनसंख्या की भरपाई के लिए बड़ी आर्थिक योजनाएं लानी पड़ रही हैं। चीन ने घोषणा की है कि वह तीन साल से कम उम्र के प्रत्येक बच्चे के लिए सालाना 3,600 युआन यानी लगभग 1,500 डॉलर (1.25 लाख रु पये) की नकद मदद देगा। यह योजना जनसंख्या को बढ़ावा देने के लिए लाई जा रही है क्योंकि चीन की जन्म दर ऐतिहासिक रूप से नीचे पहुंच गई है। 2023 में चीन की कुल जनसंख्या में 61 वर्षों में पहली बार गिरावट दर्ज की गई। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, चीन की टोटल र्फिटलटी रेट सिर्फ 1.09 है, जबकि जनसंख्या को स्थिर बनाए रखने के लिए 2.1 का स्तर जरूरी होता है।

यह उदाहरण दिखाता है कि जनसंख्या नियंत्रण सिर्फ आंकड़ों की बात नहीं है, यह सामाजिक, आर्थिक और रणनीतिक रूप से एक बेहद संवेदनशील विषय है। भारत ने 2023 में चीन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश बनने का %टैग' प्राप्त किया, लेकिन भारत की स्थिति चीन से बहुत भिन्न है। भारत में नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे -5 के अनुसार, कुल प्रजनन दर अब 2.0 पर आ गई है- यह भी रिप्लेसमेंट लेवल से नीचे है। इसका मतलब यह है कि भारत की जनसंख्या अब धीरे-धीरे स्थिर हो रही है, और भविष्य में इसमें गिरावट की संभावना भी जताई जा रही है। इस स्थिति को सकारात्मक नजरिए से देखा जाए तो यह भारत के लिए एक डेमोग्राफिक डिविडेंड का सुनहरा अवसर है।

भारत में अभी भी 65त्न से अधिक जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। इसका मतलब यह है कि हमारे पास कामकाजी युवाओं की बड़ी फौज है, जो आने वाले वर्षो में देश की आर्थिक विकास यात्रा को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है। चीन आज जिस संकट से जूझ रहा है जहां बूढ़ी होती जनसंख्या के साथ कामकाजी हाथ कम होते जा रहे हैं, भारत उस स्थिति से अभी दूर है। भारत को यहां एक संतुलित नीति अपनाने की जरूरत है। न तो अंधाधुंध जनसंख्या बढ़ाने की सोच हो, न ही अतिवादी नियंत्रण की।

भारत के कई दक्षिणी और उत्तर-पूर्वी राज्यों में पहले ही जनसंख्या वृद्धि रु क गई है। केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, दिल्ली, पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में अब 1.6 से 1.8 के बीच है, जो चिंता का विषय है। वहीं बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड जैसे राज्यों में अभी भी 2.5 के आसपास है। ये क्षेत्रीय असंतुलन भविष्य में सामाजिक और आर्थिक ढांचे को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए एक सकारात्मक रणनीति यह होगी कि हम जनसंख्या वृद्धि की जगह जनसंख्या की गुणवत्ता पर ध्यान दें।

भारत को शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। अगर हम यह सुनिश्चित कर सकें कि हर बच्चा स्कूल में जाए, हर महिला को स्वास्थ्य सुविधा और बराबरी का अवसर मिले और हर युवा को हुनरमंद बनाया जाए, तो यही जनसंख्या हमारी सबसे बड़ी ताकत होगी। इसके साथ ही, भारत को आने वाले दशकों में बुजुगरे की संख्या बढ़ने की संभावना को भी समझना होगा और उनके लिए स्वास्थ्य व सामाजिक सुरक्षा ढांचे को मजबूत करना होगा। आज जब दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं जनसंख्या की कमी से जूझ रही हैं जैसे जापान, कोरिया, इटली, रूस और अब भारत के पास एक बड़ा अवसर है कि वह अपने डेमोग्राफिक एडवांटेज को आर्थिक व सामाजिक प्रगति में बदल सके।

इसके लिए नीति-निर्माताओं को दीर्घकालिक सोच अपनानी होगी। शिक्षा और रोजगार को केंद्र में रखकर भारत यदि अपनी युवा शक्ति को अवसर दे, तो जनसंख्या कभी बोझ नहीं बनेगी। चीन आज जिन योजनाओं को लागू कर रहा है बच्चों के पालन-पोषण में आर्थिक सहायता, मातृत्व अवकाश, डे-केयर सुविधा और सामाजिक सुरक्षा वह भारत के लिए संकेत हैं कि हमें भी समय रहते अपने सामाजिक ढांचे को मजबूत करना होगा। हालांकि भारत की आर्थिक स्थिति चीन से अलग है, लेकिन नवाचार और सामुदायिक सहयोग से हम एक ऐसा मॉडल बना सकते हैं जिसमें जनसंख्या को लाभ में बदला जा सके।

भारत को यह भी समझना होगा कि जिस जनसंख्या को आज वह अपनी शक्ति मान रहा है, वही आने वाले समय में चुनौतियों का कारण भी बन सकती है यदि उसे सही दिशा, शिक्षा और अवसर न मिले। चीन के ताजा निर्णय से भारत को यह भी सीखने को मिलता है कि परिवार और बच्चों के पालन-पोषण को आसान और सम्मानजनक बनाना क्यों जरूरी है। भारत के शहरी क्षेत्रों में भी अब छोटे परिवार और देर से विवाह करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। यदि भारत सरकार भविष्य में प्रजनन दर में गिरावट देखे तो उसे समय रहते सामाजिक सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण, पितृत्व/मातृत्व अवकाश और कार्यस्थल पर बच्चों की देखरेख जैसे उपायों को संस्थागत बनाना होगा। जनसंख्या को बोझ नहीं, बल्कि भविष्य की पूंजी समझने का वक्त आ गया है। यही समय है जब हमें जनसंख्या नियंत्रण से आगे बढ़कर जनसंख्या निवेश की नीति अपनानी चाहिए।

एमएबी में बढ़ोतरी यकीनन अप्रिय और अनुचित

आईसीआईसीआई बैंक, भारत का दूसरा सबसे बड़ा निजी बैंक, ने एक अगस्त या उसके बाद खोले जाने वाले नये बचत बैंक खातों के लिए न्यूनतम शेष राशि की अनिवार्यता पांच गुना बढ़ा कर 50 हजार रुपये कर दी है। आईसीआईसीआई बैंक के ग्राहकों के लिए 31 जुलाई, 2025 तक बचत बैंक खातों में न्यूनतम मासिक औसत शेष राशि (एमएबी) 10 हजार रुपये थी। बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, अर्ध-शहरी इलाकों में यह सीमा 25 हजार और ग्रामीण इलाकों में 10 हजार रुपये कर दी गई है।

अलबत्ता, एक अगस्त से पहले खोले गए बचत खातों पर यह नियम लागू नहीं होगा। वेतन खातों, प्रधानमंत्री जनधन खातों और बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट अकाउंट धारकों को इस नियम से छूट मिलेगी क्योंकि ये सभी जीरो बैलेंस खाते हैं।

इसके अलावा, वेतनभोगियों को भी बढ़े शुल्कों से छूट मिलती रहेगी। अरसे से बैंक में न्यूनतम राशि बनाए रखने को लेकर बैंक सेवाभोगियों की शिकायत जब-तब उठती रही है। इस बाबत केंद्रीय बैंक भारतीय रिजर्व बैंक के बैंक सेवा प्रभाग में शिकायतें भी पहुंचीं।

कहा गया कि न्यूनतम राशि खाते में बनाए रखने के नाम पर ग्राहकों को बेजा परेशान किया जाता है। मामले ने तूल पकड़ा तो कुछ बैंकों ने इस अनिवार्यता को या तो शिथिल कर दिया है, या बिल्कुल ही खत्म कर दिया। स्टेट बैंक ने सबसे पहले इस दिशा में कदम उठाते हुए 2020 में न्यूनतम राशि की सीमा को खत्म कर दिया था।

बाद में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ बड़ौदा ने भी यह अनिवार्यता समाप्त कर दी। इंडियन बैंक ने भी हाल में 7 जुलाई, 2025 को न्यूनतम राशि रखने की अनिवार्यता को समाप्त किया है। दरअसल, इस बात को समझा जाना जरूरी है कि बैंक ग्राहक-हितैषी सेवा प्रदान करें।

ऐसा न हो कि बैंकिंग सेवा ग्राहकों के लिए अप्रिय अनुभव साबित होने लगे। देश में बैंकिंग हैबिट पैदा करने के लिए बैंकों को खासी जद्दोजेहद करनी पड़ी है।

लोग बैंकों में पहुंचने लगे हैं, तो यह नहीं होना चाहिए कि उनसे धन निकासी की मासिक सीमा तय करके और न्यूनतम राशि बनाए रखने के नाम पर अप्रिय फैसले थोपे जाएं। जरूरी है कि बैंकिंग को आम जन के लिए खुशनुमा अनुभव बनाया जाए। आईसीआईसीआई की एमएबी में पांच गुना की बढ़ोतरी यकीनन अप्रिय और अनुचित कही जाएगी। (आरएनएस)

सू- दोकू क्र.63

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.62 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन यात्रा

हरिशंकर व्यास

खबर है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन जा रहे है। 31 अगस्त से 1 सितंबर 2025 के बीच तियानजिन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में शायद भाग ले। सन् 2020 में गालवान घाटी में चीन की दादागिरी के बाद उनकी यह पहली चीन यात्रा होगी। और क्या गजब है जो भारत पर ट्रंप के टैरिफ की घोषणा के बाद भारत में चीन के राजदूत झू फेइहोंग ने ट्रंप को धौंस जमाने वाला (बुली) कहा और बिना किसी का नाम लिए एक्स पर लिखा-अगर आप एक बुली को एक इंच देंगे, तो वह एक मील ले लेगा। यह भी बताया कि चीन के विदेश मंत्री वांग यी और ब्राज़ील के राष्ट्रपति के मुख्य सलाहकार के बीच बातचीत हुई है।

उधर अजित डोवाल रूस गए और फिर खबर थी कि राष्ट्रपति पुतिन साल के आखिर में भारत यात्रा पर आएगें। ध्यान रहे ट्रंप से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने शी जिन पिंग के साथ ही झूला झूला था और राष्ट्रपति पुतिन के वे वैसे ही सखा था जैसे बाद में डोनाल्ड़ ट्रंप के हुए।

अब ट्रंप बिगडे है तो प्रधानमंत्री को वे पुतिन और शी जिन पिंग याद आए है जो पूरी दुनिया के लिए फिलहाल नंबर एक युद्ध अपराधी तथा विश्व की आर्थिकी को खाने वाला ड्रेगन है। सबसे गंभीर बात कि घंटे-आधे घंटे के जिस %आपरेशन सिंदूर' में भारत के लडाकू विमानों को नुकसान हुआ वह पाकिस्तानी सेना के साथ चीन की सेना के प्रत्यक्ष-परोक्ष साझे से था। तब रूस ने भी भारत के लिए एक शब्द नहीं बोला था। लेकिन इन दो नेताओं के साथ प्रधानमंत्री मोदी फिर से झूला झूल कर ट्रंप को अपना रूतबा बताएंगे।

सवाल है विश्व राजनीति के तड़ीपार पुतिन की दिल्ली में मेजबानी और शी जिन पिंग की मेहमानवाजी भोगने से क्या भारत की शान बढ़ेगी? क्या चीन-रूस अब भारत से वह निर्यात खरीद लेंगे जो अमेरिका खरीदता है? इससे भी अंहम सवाल है कि क्या मोदी सरकार को गलवान से आपरेशन सिंदूर तक के अनुभवों में इतना भी समझ नहीं आया कि चीन का हर व्यवहार भारत से दुश्मनी का है। जबकि वह पाकिस्तान का सरपरस्त ही नहीं है बल्कि उसके भारत विरोधी सैन्य ऑपरेशन में साझेदार भी था।

उधर चीन अब रूस का भी वैसे ही सरपरस्त है जैसे पाकिस्तान का है। दक्षिण एसिया, पूरे एसिया का बुली (गुंडा-दादा) चीन है या अमेरिका? भारत को पहले धंधे, टैरिफ की चिंता करनी चाहिए या सीमा की सुरक्षा, सामरिक, भूराजनैतिक हितों की? क्या प्रधानमंत्री दफ्तर, विदेश मंत्रालय, अजित डोवाल के दफ्तर में इतनी भी मेमोरी नहीं है जो ध्यान रहे कि इसी मई के महिने में ही पाकिस्तान ने चीनी लडाकू विमान, चीन की मिसाइल, सेटेलाइट इमेज के बेकअप से भारत की सेना को जवाब दिया। चीन के सैन्य अधिकारी, मंत्री इस्लामाबाद में बैठे रहे। और रूस याकि पुतिन ने उस दौरान एक भी ऐसा संकेत नहीं दिया जिससे भारत की हिम्मत बंधे। कोई न माने मेरा मानना है कि रूस और पाकिस्तान दोनों अब चीन के नेता शी जिन पिंग के वफादार पठ्ठे है। चीन ने ही जनरल मुनीर को ट्रंप के यहां कूटनीति का रोडमैप दिया हुआ होगा।

फिलहाल पाकिस्तान, कतर, चीन सभी चाहते है कि हाल के दशकों में उभरते भारत, भीड की बाजार ताकत वाले भारत से विश्व राजनीति में भारत की बनी पहचान जैसे भी हो पंचर हो। यदि ट्रंप ने भारत को रूस से नत्थी कर, उस जैसी डेड इकॉनोमी वाला देश करार दिया तो वह पाकिस्तान, चीन के लिए क्या राजनैतिक-सामरिक-आर्थिक तौर पर फायदेमंद नहीं होगा?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

राहुल रावत का नीट की परीक्षा द्वारा मेडिकल कॉलेज में चयन

कार्यालय संवाददाता

रूद्रपुर। सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिंह, रूद्रपुर मे जन्तु विज्ञान विभाग में प्रयोगशाला सहायक के पद पर तैनात मदन रावत के सुपुत्र राहुल रावत का चयन नीट परीक्षा पास कर एमबीबीएस हेतु हुआ है। राहुल को उत्तराखण्ड कैडर में प्रथम वरीयता सूची में 262 क्रम पर सामान्य श्रेणी से राजकीय मेडिकल कालेज, अल्मोड़ा में एम०बी०बी०एस० हेतु दाखिला मिला है। मूल रूप से बागेश्वर जिले के कुलाऊँ गाँव निवासी राहुल बचपन से ही प्रतिभावान एवं मेधावी रहे हैं। अपनी प्रारम्भिक शिक्षा गाँव के ही प्राथमिक विद्यालय और गरूड़ से की, उसके पश्चात जवाहर नवोदय विद्यालय सिमार, (बागेश्वर) से इण्टर किया। नीट परीक्षा की तैयारी के लिए राहुल ने स्वंय अध्ययन को प्राथमिकता दी एवं बिना कोचिंग का सहारा लिए इस सफलता को अर्जित किया। उनकी इस सफलता से पूरे गाँव व आसपास के क्षेत्र में खुशी की लहर है व बधाई देने वाले घर पहुँचकर बधाई देने वाले घर पहुँचकर बधाई दे रहे हैं।

वहीं राहुल ने इस सफलता का पूरा श्रेय अपने दादा-दादी व माता-पिता को दिया है। साथ ही पढ़ाई के उपरान्त लोगों की निस्वार्थ सेवा करने का वचन भी लिया। इसी क्रम में आज महाविद्यालय के शिक्षकों ने भी मदन रावत को राहुल के राजकीय मेडिकल कॉलेज, अल्मोड़ा में दाखिला मिलने पर बधाई दी । इस अवसर पर जन्तु विज्ञान विभाग की विभाग प्रभारी डॉ. दीपमाला, डॉ. रवीश त्रिपाठी, डॉ. विकास दुबे, डॉ. हेमलता सैनी, डॉ. रवीन्द्र कुमार सैनी, डॉ. राजेश कुमार सिंह उपस्थित रहे।

यातायात पुलिस ने सरस्वती विद्या मंदिर में चलाया जन जागरुकता कार्यक्रम

संवाददाता

टिहरी। यातायात पुलिस ने सरस्वती विद्या मंदिर में छात्र-छात्राओं को विभिन्न अपराधों की जानकारी जन जागरूकता कार्यक्रम चलाया।

आज यहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद टिहरी गढ़वाल के आदेशानुसार छात्र- छात्राओं को विभिन्न अपराधों की जानकारी देकर जन-जागरूक किए जाने को लेकर जारी दिशा-निर्देश के क्रम में श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक टिहरी एवं क्षेत्राधिकारी चंबा महोदय के पर्यवेक्षण में थाना चंबा पुलिस द्वारा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में एक जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में थानाध्यक्ष दिलबर नेगी द्वारा छात्राओं एवं अध्यापकों को साइबर क्राइम, महिला व बाल अपराध, पॉक्सो आदि जैसे गंभीर अपराधों की जानकारी देते हुए जागरूक किया गया। फाइनेंशियल फ्रॉड, महिला एवं बालकों से संबंधित अपराध, पॉक्सो' एवं अन्य अपराधों पर संबंधित टोल फ्री नंबरों यथा: 1930, 1090, 1098, 112 पर सूचना देने हेतु जागरूक किया गया। साथ ही उक्त कार्यक्रम में यातायात उप निरीक्षक सुभाष कुमार द्वारा भी छात्रों को यातायात प्रबंधन पर जानकारी दी गई। जन-जागरुकता कार्यक्रम में लगभग 70-80- छात्रों द्वारा प्रतिभाग किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्य द्वारा जागरूकता कार्यक्रम को लेकर पुलिस विभाग का धन्यवाद प्रकट किया।

'बप्पा की मूर्ति का नहीं होगा विसर्जन'

संवाददाता

देहरादून। सनातम धर्म मंदिर नेहरू कालोनी की कार्यकारिणी ने निर्णय लिया है कि इस वर्ष गणपति बप्पा की मूर्ति का विसर्जन नहीं किया जायेगा।

आज सनातन धर्म मंदिर नेहरू कॉलोनी में गणेश चतुर्थी के अवसर पर गणेश जी का आवाहन किया। मंदिर के मुख्य पंडित रमाकांत नौटियाल ने बताया की सनातन धर्म मंदिर में इस बार गणेश जी की मूर्ति की स्थापना नहीं होगी बल्कि देवालय में जो गणपति बप्पा विराजमान है उन्हीं की पूजा अर्चना कर रोज कीर्तन होगा। पंडित नौटियाल ने बताया गणपति जी का इस बार सनातन धर्म मंदिर की ओर से मूर्ति विसर्जन नहीं किया जाएगा। पंडित नौटियाल ने बताया कि हमारे यहां देवालयों में गणपति जी हमेशा रहते हैं यह उनका गृह क्षेत्र है और उत्तराखंड तो देवों की भूमि है तो यहां से गणपति जी विदाई क्यों देनी है। उन्होंने बताया कि इसका एक और कारण है हम अपनी गंगा मैया को जो स्वच्छ रखने का संकल्प लेते हैं तो फिर उसको ही हर साल लाखों टन मूर्ति की मिट्टी से दूषित करने का काम करते हैं। इसीलिए मंदिर की पूरी समिति ने निर्णय लिया है यह शुरुआत सनातन धर्म मंदिर से होगी गणपति बप्पा जी का विसर्जन नहीं होगा। मुख्य पुजारी के रूप में रमाकांत नौटियाल ने पूजा अर्चना की, पंडित सुनील दीक्षित, मुख्य सेवक के रूप में शिव कुमार गुड्डू, कमलेश रमन, राधे श्याम त्यागी, सहमशेर दत्ता, वी के छतवाल, बिजेंद्र सिंह, प्रदीप सुद्दी, एस के मितल, अलका दत्ता, परवीन कोचर, ममता बोरा, वीनाबाली, शशि पुरी, अनिल पूरी, सदस्य सनातन धर्म मंदिर नेहरू कॉलोनी मौजूद रहे।

जर्मन प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश के साथ प्रौद्योगिकी और निवेश साझेदारी की संभावनाओं पर चर्चा की

संवाददाता

रुड़की। जर्मन के प्रतिनिधिमंडल ने उत्तराखण्ड के अधिकारियों और शिक्षाविदों से मुलाकात कर प्रौद्योगिकी सहयोग और निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की।

आज यहां फ्रैंकफर्ट से आए एक जर्मन प्रतिनिधिमंडल ने उत्तराखंड के अधिकारियों और शिक्षाविदों से मुलाकात कर प्रौद्योगिकी सहयोग और निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की। आईआईटी रुड़की में आयोजित इस बैठक में इंजीनियरिंग, नवीकरणीय ऊर्जा, उभरती प्रौद्योगिकियों और नवाचार-आधारित उद्यमों पर विशेष रूप से बातचीत हुई। फ्रैंकफर्ट सिटी पार्लियामेंट के सांसद एवं डिजिटलीकरण के प्रवक्ता राहुल कुमार के नेतृत्व में आए जर्मन दल ने कहा हमारे दिल और दरवाजे भारत और विशेषकर उत्तराखंड के लिए खुले हैं ताकि हम मिलकर ऐसी नवीन तकनीकों पर काम कर सकें, जो वैश्विक स्तर पर प्रभाव डाल सकें।

आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रो. कमल किशोर पंत ने उत्तराखंड प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया, जिसमें आईआईटी रुड़की और उत्तराखण्ड सरकार के प्रतिनिधि शामिल थे। प्रोफेसर पंत ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की विजन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राज्य को निवेश गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने के लिए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के साथ-साथ लगातार निवेश की संभावनाओं तलाशी जा रहीं हैं। प्रो. पंत ने सेमीकंडक्टर, स्पेस साइंस, डेटा साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में अवसरों की चर्चा की।

उन्होंने कहा कि इस तरह का सहयोग स्थानीय रोजगार सृजन में मददगार होगा और पर्वतीय क्षेत्रों से पलायन को रोक पाने में कारगर साबित हो सकता है। उन्होंने स्थिरता, महिला सशक्तिकरण और आपदा पूर्व चेतावनी प्रणालियों में भी भारत-जर्मनी सहयोग पर बल दिया। जर्मनी के इनोवेशन हब राइन माइन के सीईओ स्टीफन विटेकाइंड ने कहा कि फ्रैंकफर्ट उन भारतीय स्टार्टअप्स और मिड-साइज कंपनियों के साथ साझेदारी करना चाहता है, जो जर्मनी और यूरोप की मदद से वैश्विक विस्तार करना चाहती हैं।

उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, ग्रीन एनर्जी और डिजिटल स्किल्स में जर्मनी अग्रिम कतार में है और वह भारतीय संस्थानों और उद्यमों के साथ सहयोग को लेकर उत्साहित है। दोनों पक्षों ने आशा व्यक्त की कि उत्तराखंड और फ्रैंकफर्ट के बीच घनिष्ठ संबंध नवाचार, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और निवेश के नए द्वार खोलेंगे और भारत-जर्मनी के सहयोग को और मजबूत करेंगे। जर्मन प्रतिनिधिमंडल में सौरभ भगत, एडवाइजर, फ्रैंकफर्ट सिटी पार्लियामेंट भी शामिल रहे। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में प्रो. विवेक कुमार मलिक (डीन, स्पॉन्सर्ड रिसर्च एंड इंडस्ट्रियल कंसल्टेंसी), प्रो. वी.सी. श्रीवास्तव (डीन, इंटरनेशनल रिलेशंस), अजम अली खान (सीईओ, टाइड्स) और प्रो. अमित अग्रवाल (एसोसिएट डीन, कॉरपोरेट इंटरैक्शन, आईआईटी रुड़की) शामिल थे।

मोटरसाईकिल चोरी

देहरादून। चोरों ने घर के बाहर खडी मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार टी स्टेट बंजारावाला निवासी रामनाथ गुप्ता ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल घर के बाहर खडी की थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस गया तो देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी।

स्कूली बच्चों को किया नशे के प्रति जागरुक

हरिद्वार (हसं)। नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान के तहत पुलिस अब स्कूल जाकर छात्र-छात्राओं को नशे के प्रति जागरूक कर रही है। साथ ही उन्हे नशे के दुष्परिणामों, महिला संबंधी अपराध, साइबर धोखाधड़ी, सड़क दुर्घटना के सम्बन्ध में जानकारी दी जा रही है। एसएसपी हरिद्वार के आदेश के क्रम में कोतवाली लक्सर पुलिस द्वारा जन जागरूकता अभियान के तहत बीते रोज कोतवाली लक्सर के क्षेत्रान्तर्गत राजकीय इण्टर कालेज रायसी में छात्र/छात्राओं के साथ पुलिस पाठशाला आयोजित कर उन्हे नशे से दूर रहने एवं नशे से होने वाली घातक बीमारियों के सम्बन्ध में जागरुक किया गया है। साथ ही अपने-अपने परिजनों एवं आस-पडोस को जागरुक कर नशे के नुकसान के साथ-साथ आत्मरक्षा व महिला सम्बन्धित अपराध व साईबर धोखाधड़ी केरियर काउन्सलिंग, सड़क दुर्घटना के सम्बन्ध मे जागरुक किया गया है। जिसकी अभिभावकों व अध्यापकों द्वारा प्रशंसा की जा रही है।

लूटे गये मोबाइल के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने लूटे गये मोबाइल के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर घटना में प्रयुक्त मोटरसाईकिल सीज कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शूरवीर सिंह रावत पुत्र धर्म सिंह रावत निवासी सुमन विहार ऋषिकेश द्वारा थाना नेहरू कॉलोनी पर आकर तहरीर दी कि मोटर साइकिल सवार व्यक्ति द्वारा डीकेथलोन के पास उनके हाथ से उनका मोबाइल छीन लिया, जिस पर थाना नेहरू कॉलोनी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। घटना के खुलासे तथा गिरफ्तारी हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह द्वारा टीम गठित कर टीम को आवश्यक निर्देश दिये गये। निर्देशों के अनुपालन में पुलिस टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर आस-पास तथा आने जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेजों का बारीकी से जांच करते हुए संदिग्धों के सम्बन्ध में जानकारियां एकत्रित की गयी। प्राप्त जानकारी के आधार पर पुलिस टीम द्वारा सुरागरसी/पतारसी करते हुए स्थानीय तंत्र को भी सक्रिय किया गया साथ ही पूर्व में इस प्रकार की घटनाओं में प्रकाश में आये आरोपियों की वर्तमान स्थिती की जानकारी कर उनका भौतिक सत्यापन किया गया। पुलिस टीम द्वारा किये जा रहे लगातार प्रयासों के परिणाम स्वरूप बाईपास फ्लाईओवर के नीचे से एक युवक को घटना छीने गये स्मार्टफोन के साथ गिरफ्तार किया गया। घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को सीज किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी का पूर्व में भी मादक पदार्थो की तस्करी तथा वाहन चोरी के मुकदमों में जेल जाना प्रकाश में आया है, जिसके सम्बन्ध में जानकारी की जा रही है। पूछताछ में उसने अपना नाम मोहम्मद राशिद पुत्र शाहिद अहमद निवासी कश्मीरी कॉलोनी ब्राह्मणवाला, थाना पटेलनगर, देहरादून बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

सैक्स रैकेट का खुलासा, 5 महिलाओं सहित 7 गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। पेंटागन मॉल में स्पा सेन्टर की आड़ में चल रहे सैक्स रैकेट का खुलासा करते हुए एएचटीयू व पुलिस टीम ने संयुक्त कार्यवाही कर पांच महिलाओं व दो पुरूषों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद हुई है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज एएचटीयू व सिडकुल पुलिस को सूचना मिली कि शहर के प्रतिष्ठित पेंटागन माल में स्थित गुड एंड हैप्पी स्पा एंड सैलून में सैक्स रैकेट का कारोबार चलाया जा रहा है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एएचटीयू व पुलिस टीम ने संयुक्त

❑पेंटागन मॉल में स्पा सेन्टर की आड़ में चलाया जा रहा था सैक्स रैकेट

कार्यवाही करते हुए पेंटागन माल के गुड एंड हैप्पी स्पा एंड सैलून पर छापेमारी की गयी। छापेमारी के दौरान 5 महिलाएँ और 2 पुरुष मौके पर आपत्तिजनक अवस्था में मिले व उनके पास से आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई। इस पर पुलिस टीम द्वारा उन्हे हिरासत में लेकर उनके खिलाफ कोतवाली सिडकुल में मुकदमा दर्ज किया गया। साथ ही उनके ऊपर नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। वहीं पुलिस द्वारा इस दौरान मौके पर दूसरे स्पा सेंटर फ्लूट एंड फ्लाई स्पा एंड सैलून में अनियमितता पाए जाने पर उसका चालान किया गया है।

पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी महिला पत्नी अनुभव निवासी आरके पुरम कॉलोनी थाना कोतवाली सिडकुल है, जो कई वर्षों से अन्तर्राज्य गिरोह बनाकर हरियाणा, उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मुजफ्फरनगर आदि स्थानों से युवतियों को लाकर स्पा सेंटर और सैलून की आड़ में देह व्यापार का धंधा चला रही थी।

गिरफ्तार लोगों के नाम सचिन पुत्र महावीर, निवासी ऋषिकेश, व गणेश पुत्र दुलबुन, निवासी ऋषिकेश साथ ही पांच महिलाए भी बतायी जा रही है।

एसडीआरएफ ने खाई में गिरे दो युवकों को किया रेस्क्यू

हमारे संवाददाता

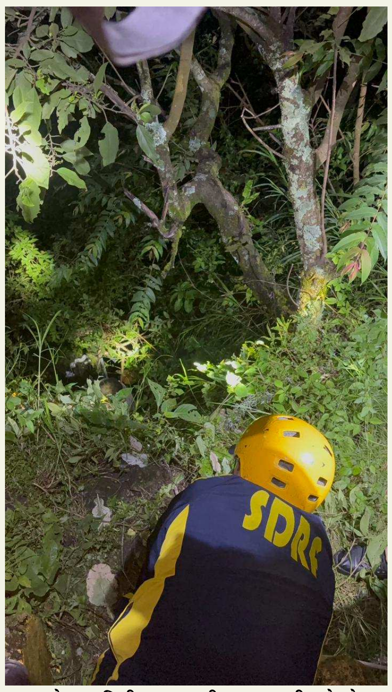

नैनीताल। अनियंत्रित होकर बाइक के खाई में गिर जाने से बाइक सवार दो युवक घायल हो गये। सूचना मिलने पर एसडीआरएफ टीम ने मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू अभियान चलाकर दोनो घायलों को बाहर निकाला। जिनका प्राथमिक उपचार किया गया।

जानकारी के अनुसार बीती देर रात आपदा कंट्रोल रूम नैनीताल से एसडीआरएफ टीम को सूचना प्राप्त हुई कि बलदियाखान नामक स्थान पर बाइक पर सवार 2 युवक अनियंत्रित होकर खाई में गिर गये है, जिनके रेस्क्यू हेतु एसडीआरएफ टीम की आवश्यकता है। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ पोस्ट नैनीताल से उपनिरीक्षक मनीष भाकुनी के नेतृत्व में टीम आवश्यक उपकरणों सहित घटनास्थल हेतु रवाना हुई। टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए रोप की सहायता से लगभग 15 मीटर गहरी खाई में उतरकर दो व्यक्तियों को सुरक्षित निकालकर रोड हेड तक पहुंचाया गया। दोनों व्यक्तियों को हल्की चोटें आई थीं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के उपरांत सुरक्षित किया गया है। घायलों के नाम विशाल सिंह बिष्ट पुत्र हीरा सिंह बिष्ट निवासी मल्ला गोरखपुर, भोटियापडाव व शिवराज सिंह बिष्ट पुत्र भीम सिंह बिष्ट, निवासी ऊंचा पूल मुखानी बताये जा रहे है।

सड़क दुर्घटना में छात्र की मौत

हमारे संवाददाता

पौड़ी। सड़क दुर्घटना में आज सुबह बाइक सवार एक छात्र के अनियंत्रित होकर नदी में गिर जाने से उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने उसे बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह करीब 7.30 बजे आर्यन कुमार पुत्र जितेन्द्र कुमार ग्राम रीठाधार अपने सहपाठी सुजल के साथ बाइक पर सवार होकर राजकीय इंटर कालेज स्यूंसी जा रहा था। आर्यन बाइक पर पीछे बैठा था। हाइवे 309 पर पंचपुरी पुल के पास बाइक अनियंत्रित होकर पैराफिट से टकरा गई। जिससे आर्यन छिटककर पूर्वी नयार नदी में जा गिरा। बरसात के कारण नयार नदी उफान पर है। आर्यन को 2 किलोमीटर दूर बंगारगांव के पास ग्रामीणों ने नदी से निकाला और उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बैजरो लाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के मुताबिक बाइक सुजल चला रहा था जो कि सड़क पर ही गिर गया जबकि पीछे बैठा आर्यन छिटक कर नदी में जा गिरा। मृतक छात्र कक्षा 9वीं का छात्र था। सूचना मिलते ही थलीसैण पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है।

दो चोर गिरफ्तार, 10 किलो तांबे की तार बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। खेतों में लगी ट्यूबैल की मोटर से तांबे की तार चुराने की घटनाओं का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो शातिरों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से चुरायी गयी 10 किलो तांबे की तार बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती 3 अगस्त को श्याम पुत्र नरेश कुमार निवासी मौहम्मदपुर बुजुर्ग लक्सर व बीते रोज प्रेरित अग्रवाल पुत्र घनश्याम निवासी खण्डजा कुतुबपुर लक्सर द्वारा द्वारा कोतवाली लक्सर में तहरीर देकर बताया गया था कि अज्ञात चोर द्वारा उनके व पडोसी के खेतो की ट्यूबेल मोटर से तांबे के तार निकालकर चोरी कर ली गयी है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में लगातार निगरानी कर क्षेत्र में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालते हुये व मैनुअली व तकनिकी सहायता लेकर चोरों की धरपकड हेतु क्षेत्र में लगातार खेतो में लगी ट्यूबवैलो पर निगरानी रखी गयी जिसके परिणाम स्वरुप देर रात दो आरोपियों को 10 किग्रा ताबे की तार के साथ पकड लिया गया। पूछताछ में उन्होने अपना नाम फरमान पुत्र मेहरबान निवासी आदर्श कालोनी बाजार थाना कोतवाली लक्सर व सारिक पुत्र महबूब निवासी लक्सरी वार्ड न. 5 थाना कोतवाली लक्सर हरिद्वार बताया। बताया कि उन्होने ही अलग-अलग किसानो के खेतो लगी ट्यूबैल के मोटर से ताबे के तार निकालकर चोरी की थी। बहरहाल पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

पात्र कार्मिकों के स्थायीकरण आदेश बिना किसी विलंब के निर्गत किये जायें: बगोली

संवाददाता

देहरादून। सचिव कार्मिक शैलेश बगोली ने पात्र कार्मिकों के स्थायीकरण आदेश बिना किसी विलंब के निर्गत किए जाने के निर्देश दिए हैं।

आज यहां शासन ने सभी विभागों को राज्य के सरकारी सेवकों के स्थायीकरण के मामलों में स्थायीकरण नियमावली, 2002 का समुचित अनुपालन सुनिश्चित करते हुए पात्र कार्मिकों के स्थायीकरण आदेश बिना किसी विलंब के निर्गत किए जाने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में सचिव कार्मिक शैलेश बगोली ने एक शासनादेश जारी करते हुए सभी प्रमुख सचिवों, सचिवों, विभागाध्यक्षों, कार्यालय प्रमुखों, मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि वह अपने नियंत्रणाधीन विभागों में कार्यरत ऐसे समस्त कार्मिक, जो परिवीक्षा पूर्ण कर चुके हैं तथा जिनकी परिवीक्षा बढ़ाई न गयी हो, जो स्थायीकरण नियमावली, 2002 में वर्णित सभी आवश्यक अर्हताएं पूर्ण कर चुके हैं, के स्थायीकरण आदेश परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त, अनावश्यक विलम्ब के बिना, समयबद्ध रूप से निर्गत कराना सुनिश्चित करें। शासनादेश में यह भी हिदायत दी गई है कि जिन कार्मिकों को पूर्व में विभागीय पदोन्नति प्रदान की जा चुकी है, किन्तु उनके स्थायीकरण के संबंध में कोई स्पष्ट आदेश निर्गत नहीं किया गया है, उनके प्रकरणों की तत्काल समीक्षा करते हुए नियमानुसार स्थायीकरण आदेश निर्गत किए जाएं। सचिव कार्मिक शैलेश बगोली ने कहा है कि सेवाकाल की निर्धारित परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने एवं विभागीय संवर्ग में उच्च पदों पर पदोन्नति प्राप्त कर लेने के उपरांत भी, विभिन्न विभागों द्वारा कार्मिकों के स्थायीकरण के संबंध में विधिवत आदेश निर्गत नहीं किए जाने के तथ्य शासन के संज्ञान में आए हैं। विधिवत स्थायीकरण आदेश जारी न होने के कारण संबंधित कार्मिकों के सेवा-संयोजन, वेतन संरक्षण, पेंशन-हितलाभ आदि में कठिनाई उत्पन्न हो रही है तथा विधिक वाद-विवाद की स्थिति निर्मित हो रही है। यह विधि सम्मत तथा अनुशासित लोक प्रशासन की भावना के विपरीत है। जिसे देखते हुए राज्य के सरकारी सेवकों की स्थायीकरण नियमावली, 2002 का समुचित अनुपालन कराए जाने तथा समय से स्थायीकरण आदेश जारी कराए जाने पर विशेष ध्यान दिया जाना जरूरी है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।